Ref: NIDJ/2026-27/KMC/letter/049 **दिनांक/Date: 23.04.2026**

सेवा में/To

Prof. Bhuleshwar/ Arun Mate
Former Vice Chancellor of Assam University
Former Faculty, J J School of Arts

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान,असम की ओर से नमस्कार!!Greetings from National Institute of Design (NID) Assam!!!

एनआईडी असम के निदेशक, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों की ओर से, मैं आपको आपके द्वारा लिखा गया " Vernacular Branding: Reading Identity through Design and Visibility " नामक पुस्तक को राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान,असम को दान देने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। यह पुस्तक हमारे पुस्तकालय के संदर्भ अनुभाग में उपलब्ध रहेगी। /। On behalf of the Director, faculty, staff, and students of NID Assam, I would like to thank you for donating your book, "Vernacular Branding: Reading Identity through Design and Visibility," to the National Institute of Design, Assam. This book will be available in the reference section of the Knowledge Management Centre (KMC), of the Institute.

हम आपके द्वारा दिए गए महत्वपूर्ण भेंट को कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार करते हैं/We gratefully acknowledge the receipt of your generous gift.

आपका धन्यवाद /Thanking you.

सादर/Yours' sincerely,

23/4/2026
प्रधान पुस्तकालयाध्यक्ष
Head Librarian
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, असम
National Institute of Design, Assam

डॉ. तन्मय सभापंडित/Dr. Tonmay Sabhapandit
प्रधान पुस्तकालयाध्यक्ष/Head Librarian
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, असम /National Institute of Design, Assam
ग्राम टोकलाई, रजाबाड़ी/ Vill. Tocklai, Rajabari
जोरहाट (असम)/ Jorhat (Assam) 785 014

Ref: NIDJ/2026-27/KMC/letter/050

दिनांक/Date: 23.04.2026

सेवा में/To

Miss Kaushambi Mate
Architecture- Planning Specialist at PGSJ Planungsgesellschaft mbH, Munster, Independent Design Researcher

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान,असम की ओर से नमस्कार!!Greetings from National Institute of Design (NID) Assam!!!

एनआईडी असम के निदेशक, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों की ओर से, मैं आपको आपके द्वारा लिखा गया " Vernacular Branding: Reading Identity through Design and Visibility " नामक पुस्तक को राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान,असम को दान देने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं । यह पुस्तक हमारे पुस्तकालय के संदर्भ अनुभाग में उपलब्ध रहेगी। ।/ On behalf of the Director, faculty, staff, and students of NID Assam, I would like to thank you for donating your book, "Vernacular Branding: Reading Identity through Design and Visibility," to the National Institute of Design, Assam. This book will be available in the reference section of the Institute's Knowledge Management Centre (KMC).

हम आपके द्वारा दिए गए महत्वपूर्ण भेंट को कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार करते हैं/We gratefully acknowledge the receipt of your generous gift.

आपका धन्यवाद /Thanking you.

सादर/Yours' sincerely,

23/4/2026
प्रधान पुस्तकालयाध्यक्ष
Head Librarian
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, असम
National Institute of Design, Assam
ग्राम टोकलाई, रजाबाड़ी, जोरहाट (असम)

डॉ. तन्मय सभापंडित/Dr. Tonmay Sabhapandit
प्रधान पुस्तकालयाध्यक्ष/Head Librarian
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, असम /National Institute of Design, Assam
ग्राम टोकलाई, रजाबाड़ी/ Vill. Tocklai, Rajabari
जोरहाट (असम)/ Jorhat (Assam) 785 014